भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1208

उत्तर देने की तारीख-28/07/2025

आईआईटी का शैक्षणिक विस्तार

†1208. श्री केसिनेनी शिवनाथः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की अवसंरचना और शैक्षणिक विस्तार के लिए आबंटित बजट का संस्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में नए संकायों के लिए संस्थान-वार कुल कितने पद सृजित किए गए हैं;

(ग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरूपति के निर्माण और विकास के लिए आवंटित और संवितरित निधि का ब्यौरा क्या है;

(घ) आईआईटी तिरुपति परिसर का निर्माण कार्य पूरा होने की प्रस्तावित समय-सीमा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ङ) क्या सरकार का नव स्थापित आईआईटी, विशेषकर आईआईटी तिरूपति में कोई नया विशेषज्ञता पाठ्यक्रम या शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने का विचार है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या आईआईटी, तिरूपति और अन्य नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में समय पर अवसंरचना विकास और संकाय की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाए गए हैं;

(ज) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(झ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (झ): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) को सहायता योजना के अंतर्गत, वित्तीय वर्ष **2025-26** के लिए सभी आईआईटी को पूंजीगत व्यय हेतु कुल **2,400** करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। विभिन्न आईआईटी, छात्रों/उद्योग जगत और अनुसंधान एवं नवाचार की संभावनाओं की मांग पर, समय-समय पर सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान और अपने आंतरिक संसाधन सृजन (आईआरजी) का उपयोग करके, विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी आदि में अपनी छात्र संख्या में वृद्धि करते हैं।

इसके अलावा, बजट भाषण **2025-26** में, अतिरिक्त **6,500** छात्रों के लिए शिक्षा की सुगमता के लिए वित्त **2014** के बाद शुरू किए गए पांच आईआईटी में अतिरिक्त अवसंरचना निर्माण करने की घोषणा की गई है। तदनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मई **2025** में कुल परिव्यय **11,828.79** करोड़ रुपये के साथ हुई अपनी बैठक में आंध्र प्रदेश (आईआईटी तिरुपति), केरल (आईआईटी पलक्कड़), छत्तीसगढ़ (आईआईटी भिलाई), जम्मू और कश्मीर (आईआईटी जम्मू) और कर्नाटक (आईआईटी धारवाड़) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में स्थापित पांच नए आईआईटी के अनुसंधान पार्क के निर्माण सहित शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे की क्षमता के विस्तार को स्वीकृति दी है। मंत्रिमंडल ने इन आईआईटी में **130** संकाय पदों (प्रोफेसर के स्तर अर्थात् लेवेल **14** और उससे ऊपर) के सृजन को भी स्वीकृति दी है। निधि का ब्यौरा निम्नानुसार है:

						आंकड़े करोड़ में
आईआईटी का नाम	आईआईटी तिरुपति	आईआईटी पलक्कड	आईआईटी भिलाई	आईआईटी धारवाड़	आईआईटी जम्मू	**कुल लागत**
लागत	2313.02	2597.12	2257.55	2192.66	2468.44	**11,828.79**

इसके अलावा सरकार ने हाल ही में उच्चतर शिक्षा वित्तीयन एजेंसी (एचईएफए) के माध्यम से आईआईटी जोधपुर, आईआईटी पटना और आईआईटी इंदौर के लिए शैक्षणिक और छात्रावास बुनियादी ढांचे के विस्तार और अनुसंधान पार्क के विकास के लिए कुल 1942 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

आईआईटी नवाचार और आलोचनात्मक सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने वाली अत्याधुनिक शैक्षिक कार्यक्रम और विश्वस्तरीय अवसंरचना प्रदान करते हैं। अनुसंधान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और उद्यमिता में अग्रणी पूर्व छात्रों को तैयार करने के लिए विश्वस्तर पर मान्यताप्राप्त, आईआईटी ने दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उनके स्नातकों की उपलब्धियाँ न केवल संस्थाओं की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाती हैं, बल्कि नवाचार, प्रौद्योगिकी और नेतृत्व के केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को भी सुदृढ़ करती हैं।

आईआईटी तिरुपति को चरण-क के तहत स्थायी परिसर के निर्माण हेतु 1091.75 करोड़ रुपये जारी किए गए। स्थायी परिसर अब अक्टूबर, 2023 से पूरी तरह से चालू है और फरवरी, 2024 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। इसके अलावा, तिरुपति को चरण-ख के तहत अवसंरचना विकास के लिए 2313.02 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं। आईआईटी तिरुपति 6 विषयों में बी.टेक कार्यक्रम, 13 एम.टेक कार्यक्रम, 3 एम.एससी. कार्यक्रम, लोक नीति में स्नातकोत्तर कार्यक्रम और सभी 9 मौजूदा विभागों में पीएचडी की डिग्री प्रदान करता है। संस्थान में वर्तमान में 137 पूर्णकालिक संकाय सदस्य और 8 सहायक संकाय सदस्य हैं।

*****